स्वच्छ पर्यावरण • सुरक्षित भविष्य • स्वस्थ जीवन

JVC

जनमुख

व्यापार चक्र

प्रकृति के संग, जीवन के रंग

विश्व पर्यावरण दिवस

5 जून 2026

पर्यावरण प्रदूषण की सबसे बड़ी वजह क्या?

समाधान क्या है? जनता की राय

प्रदूषण की बड़ी वजहें

- औद्योगिकरण
- वाहनों का धुआँ
- प्लास्टिक कचरा
- पेड़ों की कटाई
- अनियंत्रित शहरीकरण
- रासायनिक पदार्थों का अधिक उपयोग

निपटने के उपाय

- अधिक से अधिक पेड़ लगाएँ
- रीसायकल और प्लास्टिक कम करें
- पब्लिक ट्रांसपोर्ट को अपनाएँ
- जल संरक्षण को प्राथमिकता दें
- हम सब मिलकर बदलाव लाएँ

“स्वस्थ पर्यावरण हमारा अधिकार, हमारी जिम्मेदारी”

विशेष आलेख

प्रदूषण का असर आपके स्वास्थ्य पर

युवा शक्ति की पहल

बदलते भारत की बदलती सोच

ISSN 2456-2050

एक कदम स्वच्छता की ओर, एक कदम प्रकृति की ओर

With Best Wishes
CARE
HOSPITAL VARANASI
PATIENT SAFETY & QUALITY OF CARE
NABH
CERTIFIED
ERTIFICATE No PEH 2021-174
विश्वस्तरीय मल्टी सुपर स्पेशिलिटी चिक्तित्सा एवं मशीनों द्वारा सर्जरी की सुविधा उपलब्ध
डा. अवनीश राय
वरिष्ठ न्यूरो व स्पाइन सर्जन
एम.बी.बी.एस., एम.एस.(जनरल सर्जरी), डी.एन.बी.(न्यूरो सर्जरी) नईदिल्ली, भूतपूर्व न्यूरो सर्जन नई दिल्ली सफदरजंग हॉस्पिटल एवं वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज, लोकनायक जी.बी. पन्त हॉस्पिटल एवं मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, जी.टी.बी. हॉस्पिटल एवं यू.सी. मेडिकल कॉलेज
भिखारीपुर, बी.एल.डब्ल्यू, सुन्दरपुर रोड, वाराणसी-221004
0542-2319256 (Helpline & OPD Appointment No.)

With Best Wishes
7 DAYS OPEN
WORLD ENVIRONMENT DAY
GOLD | DIAMOND
SILVER | ANTIQUE JEWELLERY
CERTIFIED GEMSTONE
Trueso
कन्हैया लाल सर्राफ ज्वेलर्स
- Since 1910 -
गोदौलिया चौराहा, होटल गैंगेज ग्रैंड, वाराणसी
फोन: 0542-2391010/11
सिगरा (शहीद उद्यान) के सामने, वाराणसी
फोन: 0542-2221011/12

रवीन्द्र जायसवाल
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन विभाग
उत्तर प्रदेश

पत्र सं. : 291/[illegible]
कार्यालय : कक्ष सं. : 67-68, मुख्य भवन
विधान सभा, लखनऊ-226001
दूरभाष : 0522-2213630 (कार्यालय)
0522-2238104 (फैक्स)
दिनांक : 21/05/2015

शुभकामनाएं

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि 'जनमुख' हिन्दी दैनिक, वाराणसी द्वारा विगत 13 वर्षो से विश्व पर्यावरण दिवस पर सामाजिक सरोकार के मुद्दे काशी को हरा-भरा करने के लिए पौधा वितरण, पौधारोपण तथा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाता रहा है। इसीक्रम में इस वर्ष भी विश्व पर्यावरण दिवस पर दिनांक 5 जून 2026 को आयोजन का कार्य सराहनीय है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम की सफलता के लिए 'जनमुख' परिवार को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(रवीन्द्र जायसवाल)
राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन
उत्तर प्रदेश।

अशोक कुमार तिवारी
महापौर

अ.शा.प.सं.–.....
नगर निगम, वाराणसी
निवास : सी–33/58 डी–2–ए (सिगरा स्टेडियम के पीछे
छित्तूपुर, सिगरा, वाराणसी। पिनकोड–221010
मोबाइल नं.–7510001300
ई–मेल : ashokktiwaribjp@gmail.com

शुभकामना संदेश

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि 'जनमुख' हिन्दी दैनिक समाचार पत्र विगत कई वर्ष से वाराणसी से प्रकाशित होकर पूर्वांचल के जिलों में प्रसारित हो रहा है, 'जनमुख' हिन्दी दैनिक संस्था द्वारा विगत 14 वर्ष से काशी के पर्यावरण को बेहतर करने की दिशा में लाखों पौधे वितरण और हजारों पौधों का रोपण किया गया है, जो अत्यन्त सराहनीय है।

'जनमुख' हिन्दी दैनिक समाचार पत्र के द्वारा किये जा रहे पौधों का वितरण और पौधारोपण कार्य नगर के पर्यावरण को शुद्ध बनाने में अत्यन्त सहायक है। दिनांक 05 जून 2026 को उक्त कार्यों के दृष्टिगत संस्था द्वारा पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है इससे नगर की जनता पर्यावरण के प्रति और जागरूक होगी। पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

(अशोक कुमार तिवारी)
महापौर

डा0 नीलकंठ तिवारी
विधायक
389, वाराणसी शहर दक्षिणी विधानसभा
9415226166

सदस्य विधान सभा उत्तर प्रदेश

ख-7 No. 435526

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि जनमुख हिन्दी दैनिक वाराणसी द्वारा काशी को हरा भरा बनाए जाने की दिशा में अपना महत्वपूर्ण योगदान प्रदान किया जा रहा है।

मुझे यह बताया गया है कि जनमुख हिंदी दैनिक द्वारा पिछले 14 वर्षो में लाखों पौधें का वितरण एवं हजारों पौधों का रोपण किया जा चुका है। सामाजिक सरोकार के महत्वपूर्ण विषय में अपनी सहभागिता प्रदान करने के लिए ढेर सारी बधाई। मुझे यह बताया गया है कि 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'जनमुख' हिंदी दैनिक द्वारा पर्यावरण जागरूकता पत्रिका का प्रकाशन होने जा रहा है। इस अवसर के लिए सम्पूर्ण 'जनमुख' हिन्दी दैनिक वाराणसी परिवार को मेरी ढेर सारी बधाई एवं शुभकामनाएं।

(डा. नीलकंठ तिवारी)

सौरभ श्रीवास्तव
भाजपा विधायक
वाराणसी, कैन्ट
सदस्य, याचिका समिति
सचेतक, उ. प्र. विधानसभा

87, शिवाजी नगर
महमूरगंज, वाराणसी
9795350000

शुभकामना संदेश

हिन्दी दैनिक 'जनमुख' द्वारा पिछले 42 वर्षो से पर्यावरण संरक्षण एवं जनजागरूकता के क्षेत्र में किए जा रहे सराहनीय प्रयास अत्यंत प्रशंसनीय हैं। समाज और प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए 'जनमुख' ने पर्यावरण संरक्षण के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित वृक्षारोपण एवं पौधा वितरण अभियान न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सार्थक पहल है, बल्कि समाज को हरित एवं स्वच्छ भविष्य के निर्माण हेतु प्रेरित करने का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। आज आवश्यकता है कि हम सभी पर्यावरण संरक्षण को अपना नैतिक दायित्व समझते हुए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें तथा जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के लिए सक्रिय योगदान दें।

विश्व पर्यावरण दिवस के इस महत्वपूर्ण अवसर पर मैं 'जनमुख' परिवार द्वारा आयोजित इस जन- जागरूकता अभियान की सफलता की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ तथा आशा करता हूँ कि यह अभियान पर्यावरण संरक्षण के प्रति समाज में नई चेतना एवं जागरूकता का संचार करेगा।

सादर,

सौरभ श्रीवास्तव
विधायक
390 वाराणसी कैन्ट

Dr. Chandrakala Padia
Retd. Professor
Dept. of Political Science
Banaras Hindu University, Varanasi
Former Chairperson
Indian Institute of Advanced Study
(Rashtrapati Niwas, Shimla (H.P.)

Former Vice Chancellor: M.G.S. University, Bikaner, Rajasthan.
Former President:
Society of the Indian Institute of Advanced Study, Shimla.
Executive, Bertrand Russell Society, USA
Former Chairperson: UGC Standing Committee on Women's Studies.
Former Head and Professor: Dept. of Political Science, B.H.U., Varanasi.
Former Dean: Faculty of Social Science, B.H.U., Varanasi.
Former Director:
Centre for Women's Studies and Development, B.H.U., Varanasi.
Centre for Integral Rural Development, B.H.U., Varanasi.

Member:
Executive, Rashtriya Samaj Vigyan Parishad, India
Academic Council, Central University of Rajasthan, Kishangarh, Raj.
Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya, Sonepat, Haryana.
Central Advisory Board of Education, MHRD, New Delhi.
Indian National Commission for Co-operation with UNESCO
(Ministry of Human Resource Development), New Delhi.
General Assembly, Indian Council of Cultural Relations.
Former Member:
Academic Council, Rajarshi Tandon Open University, Allahabad.
Executive Committee, Mahamana Malviya Mission, New Delhi.
Governing Body, G.B. Pant Social Science Institute, Allahabad.
Founder Member:
International Forum for India's Heritage

Date: 01/06/2026

आदरणीय सरोज सिन्हा जी,
समाचार संपादक
जनमुख, हिन्दी दैनिक

विश्व पर्यावरण दिवस के पावन अवसर पर *'जनमुख' हिंदी दैनिक*द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं जनजागरूकता के लिए चलाए जा रहे सराहनीय अभियान के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ।

आज जब सम्पूर्ण विश्व जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के क्षरण जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब समाज को पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाने में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। *'जनमुख'* ने विगत वर्षों में वृक्षारोपण, पौधा वितरण तथा पर्यावरणीय चेतना के प्रसार के माध्यम से जो अनुकरणीय कार्य किया है, वह अत्यंत प्रशंसनीय है।

मेरा विश्वास है कि यह अभियान नागरिकों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित करेगा तथा "एक वृक्ष – एक जीवन" के संदेश को जन-जन तक पहुँचाएगा। आइए, हम सभी मिलकर धरती को हरित, स्वच्छ और सुरक्षित बनाने का संकल्प लें।

'जनमुख' परिवार को इस जनोपयोगी एवं राष्ट्रहितकारी पहल के लिए हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएँ।

— प्रो. चन्द्रकला पाडिया

पूर्व संकायाध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान संकाय
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
पूर्व कुलपति, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर
पूर्व अध्यक्ष,भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला

Residence:
Flat No. A-2 Banshidhar Apartment near
(Sunbeam School), Sigra, Varanasi-221010
Mobile No. 7568288288
Mobile, PA : 8468029087
Website: chandrakalapadia.in
E-mail: Chandrakala.padia@gmail.com

INDIAN INDUSTRIES ASSOCIATION

AN APEX BODY OF MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES

R.K Chaudhary
National Vice President

chapter Office
M/s RAS Polytex Pvt. Ltd, Block,
8th Floor, Vinayaka Plaza,
Maldahiya Crossing, varanasi
Tel: 0542-2205200/5300, Mob: 9415227894

शुभकामना संदेश

सबसे पहले मैं सम्मानित 'जनमुख' को बधाई देना चाहता हूँ कि पिछले 14 सालों से पर्यावरण के लिए एक अभियान के रूप में उसे संरक्षित रखने के लिए कार्य किया जा रहा है। पर्यावरण आज एक बहुत भयावह रोग हो गया है। आज, ऐसी-ऐसी इस प्रकार की बीमारियां हैं जिसका कारण पर्यावरण है। दूषित पानी पीना शुद्ध हवा का न मिलना आज शरीर में नाना प्रकार की बीमारियों को जन्म देता है। हम सब लोगों को सचेष्ट करते हुए जनजागरण कर लोगों को जागरूक करना होगा कि जिस प्रकार पेड़ कटते जा रहे हैं। वातावरण प्रदूषित होता जा रहा है। अतः हमें उन पेड़ों को कटने नहीं देना है। प्लास्टिक जो पर्यावरण प्रदूषण में सहायक है उसका प्रयोग बंद करना एवं ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण कर उसके संरक्षण के प्रति ध्यान देना होगा।

(R.K Chaudhary)

शुभकामना संदेश

विश्व पर्यावरण दिवस के पावन अवसर पर 'जनमुख' हिंदी दैनिक द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं जनजागरूकता के लिए निरंतर किए जा रहे सराहनीय प्रयास अत्यंत प्रेरणादायी हैं। विगत कई वर्षों से पौधारोपण, पौधा वितरण एवं सामाजिक जागरूकता अभियानों के माध्यम से 'जनमुख' ने समाज को प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आज वैश्विक तापमान वृद्धि एवं पर्यावरण प्रदूषण जैसी गंभीर चुनौतियों के बीच हम सभी का यह नैतिक दायित्व है कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, हरित एवं सुरक्षित वातावरण का निर्माण करें।

मैं 'विश्व पर्यावरण दिवस' पर प्रकाशित होने वाली पत्रिका एवं इस जनहितकारी अभियान की सफलता हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ तथा आशा करता हूँ कि 'जनमुख' इसी प्रकार समाजहित एवं पर्यावरण संरक्षण के कार्यों में अपनी सक्रिय एवं प्रेरणादायी भूमिका निभाता रहेगा।

'एक वृक्ष – एक जीवन, हरित पर्यावरण – सुरक्षित भविष्य।'

'महामहोपाध्याय' प्रोफेसर देवी प्रसाद द्विवेदी
पद्मश्री एवं पद्मभूषण
पूर्व-सदस्य उत्तर-प्रदेश लोक सेवा आयोग, वाराणसी ।

शुभकामना संदेश

पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता एवं प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने के लिए हर साल 5 जून को मनाए जाने वाले विश्व पर्यावरण दिवस पर आपको पीएनबी परिवार की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामना।

सर्वविदित है कि इस दिन की शुरूआत संयुक्त राष्ट्र द्वारा 1972 में स्टॉकहोम सम्मेलन के दौरान की गई थी। इस दिन को मनाने का प्राथमिक लक्ष्य बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और जैव विविधता के नुकसान जैसे गंभीर मुद्दों के समाधान खोजना है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि पृथ्वी को नुकसान पहुंचाने वाली मानवीय गतिविधियों को नियंत्रित कर सतत विकास (**Sustainable Development)** को अपनाना कितना आवश्यक है। आप जानते हैं पंजाब नेशनल बैंक देश का पहला स्वदेशी बैंक है। इसकी स्थापना महान देशभक्त, स्वतंत्रता सेनानी, पंजाब केसरी स्व. लाला लाजपत राय जी ने 12 अप्रैल 1895 में की थी।इसका उद्देश्य था, स्वदेशी पूंजी से राष्ट्र का निर्माण करना। वर्तमान में हमारा बैंक लगभग 10300 शाखाओं, 11109 एटीएम तथा 32809 बिजनेस कोरस्पोडेंट के विशाल नेटवर्क के माध्यम से देश सेवा में निरंतर तत्पर है। उत्तर प्रदेश में हमारी कुल 1667 शाखाएं है। हमारे बैंक का कुल व्यवसाय 29.69 लाख करोड़ है।

बैंक 131 वर्षो से निरन्तर देश की आर्थिक प्रगति में योगदान देने के साथ ही पर्यावरण जागरूकता एवं प्रकृति संरक्षण के प्रति सचेत रहा है।वृक्षों को बचाने के लिए ही बैंक ने बैंकिंग जगत में सबसे पहले सीबीएस परिवेश को अपनाया। इससे बैंक के सब कार्य ऑनलाइन निष्पादित होने लगे। इसके पश्चात समय के साथ परिवर्तन करते हुए बैंक ने एटीएम के माध्यम से 24x7 सेवा उपलब्ध कराई। आज बैंक लगभग सभी उत्पाद एवं सेवाएं ग्राहकों को घर बैठे ही डिजिटल माध्यम से उपलब्ध करा रहा है। वर्तमान में हमारे बैंक के पास 100 से अधिक उत्पाद एवं सेवाएं डिजिटली रूप में उपलब्ध है जिसका उपयोग ग्राहक घर बैठे अपनी सुविधानुसार कर रहे हैं। 50 से अधिक प्रक्रियाओं को भी डिजिटल किया जा चुका है। हमारे बैंक के ऐप पीएनबी वन में ग्राहकों की आवश्यकतानुसार सभी सेवाएं एक ही ऐप में उपलब्ध हैं। इस ऐप, इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग एवं बैंक वेबसाईट के माध्यम से बैंक एमएसएमई, केसीसी सहित होम लोन, कार लोन, शिक्षा लोन, पर्सनल लोन, डिजिटल रूप से 3/7 कार्यदिवसों एवं जहां बंधक रखने की आवश्यकता है वहां 7/15 कार्यदिवसों में प्रदान कर रहा है। और ऊर्जा लगाने के लिए पीएम सूर्यघर लोन भी डिजिटली रूप में उपलब्ध करा रहा है। इसके साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए बैंक ने पीएनबी पलास नाम से एक कार्यक्रम प्रारंभ किया है। जिसका मुख्य उद्देश्य है प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, ऊर्जा की बचत एवं पौधारोपण। भारत सरकार के हरित पहल के अंतर्गत बैंक, ग्रीन डिपाजिट योजना लाया है। इस निधि का उपयोग हरित पहल को बढ़ावा देने में किया जा रहा है। प्रतिवर्ष अधिक से अधिक पौधारोपण किया जाता है। उच्चाधिकारियों के दौरे के समय भी वृक्षारोपण किया जाता है।किसी भी कार्यक्रम का शुभारम्भ पौधा भेंट करके किया जाता है।

इस तरह से बैंक, बैंकिंग के साथ पर्यावरण एवं सतत विकास की अवधारणा के अनुसार अपना योगदान सुनिश्चित कर रहा है।

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि आपका समाचार पत्र भी ई-पत्र के रूप में निष्पक्ष एवं संतुलित दृष्टिकोण के साथ प्रकाशित हो रहा है।इससे जहां एक और आप पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित कर रहे हैं वहीं दूसरी ओर अधिकतम लोगों तक समाचार प्रेषित कर अपने पत्रकारिता धर्म का पालन कर रहे हैं।

आशा है भविष्य में भी बैंक के साथ आप जुड़े रहेंगे और हमारे उत्पादों/सेवाओं/विज्ञापनों को प्रमुखता से अपने समाचार पत्र में स्थान देते रहेंगे।

इसी के साथ एक बार पुन: आपको विश्व पर्यावरण दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामना। धन्यवाद!

दीपक सिंह
महाप्रबंधक (अंचल प्रबंधक)
पंजाब नेशनल बैंक
अंचल कार्यालय, वाराणसी।

पंजाब नैशनल बैंक ...भरोसे का प्रतीक !
punjab national bank ...the name you can BANK upon !

जनमुख परामर्श मंडल

एस. कुमार, अध्यक्ष
सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया

संतोष अग्रवाल,
सभापति
श्री काशी अग्रवाल समाज

श्रीनारायण खेमका
अध्यक्ष
अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन

वी.के.जैन, अध्यक्ष
जैन मिलन, वाराणसी

डा. नीलम ओहरी
स्त्री रोग विशेषज्ञ

डा. एस.के.पाठक
वरिष्ठ चिकित्सक

प्रधान सम्पादक
ब्रजेश कुमार राय 'शर्मा'
समाचार सम्पादक
सरोज सिन्हा
फोन : 0542-2500324 9336929544
Email : janmukh.vns@gmail.com
जनमुख हिन्दी दैनिक के लिए निःशुल्क प्रकाशित

पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओं

आप भी 'जनमुख' के इस अभियान से जुड़े। हम मिल कर साकार करेंगे ग्रीन काशी का सपना।

आपके कालोनी, मुहल्ले, पार्क या सड़क पर खाली स्थान हो तो आप हमें बताएं, हम लगवाएंगे पेड़।

यदि आप जनमुख के इस अभियान में सहयोग करना चाहते हैं तो इस क्यू आर कोड पर सहयोग राशि दे सकते हैं।

मानव अस्तित्व को खतरा

सरोज सिनहा
समाचार सम्पादक

वाराणसी से प्रकाशित 'जनमुख हिन्दी दैनिक' ग्रीन काशी का सपना संजोये 14 वर्षों से लगातार पांच जून (विश्व पर्यावरण दिवस) से निःशुल्क पौधों का वितरण एवं पौधरोपण का अभियान चलाता आ रहा है। इस मिशन से शहर के खास हों या आम लोग सभी को जोड़कर जन-जन का अभियान बनाने का भरपूर प्रयास किया गया है। हर वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस पर संयुक्त राष्ट्र द्वारा पर्यावरण दिवस कार्यक्रम को निर्धारित थीम पर किया जाता है। इस बार पर्यावरण दिवस 2026 की थीम जलवायु कार्रवाई **(Climate Action)** है। इसका मुख्य फोकस जलवायु परिवर्तन की चुनौती और उसके समाधान के लिए वैश्विक स्तर पर ठोस कदम उठाने पर है। देखा जाए तो विश्व पर्यावरण दिवस आज के समय में केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व और पृथ्वी के भविष्य से जुड़ा एक गंभीर संदेश है। बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, जंगलों की कटाई और जल संकट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि प्रकृति का संतुलन बिगड़ा तो जीवन भी संकट में पड़ सकता है। ऐसे में पर्यावरण दिवस हमें प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी का अहसास कराता है। यूं भी भारतीय संस्कृति में प्रकृति को पूजनीय माना गया है। पौधे, नदियां, पर्वत और पशु-पक्षियों को जीवन का आधार समझा गया है। इसलिए पर्यावरण संरक्षण केवल वैज्ञानिक आवश्यकता नहीं, बल्कि हमारे लिए सांस्कृतिक और नैतिक दायित्व है। लेकिन आज की पीढ़ी तकनीकी और विकास की दौड़ में अपने इस दायित्व से विमुख हो रही है। ऐसे में पर्यावरण दिवस हमें याद दिलाता है कि विकास तभी सार्थक होगा जब वह प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर किया जाएगा। इसलिए अभी से जागरूक हों, नहीं तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा, पानी और सुरक्षित वातावरण मिलना कठिन हो जाएगा। इसलिए पर्यावरण दिवस की प्रासंगिकता अब पहले से कहीं अधिक बढ़ गयी है। देखा जाए तो इस दिन को केवल भाषण देने और कार्यक्रमों तक सीमित न रखकर जनांदोलन बनाने की जरूरत है। ताकि पृथ्वी को सुरक्षित और हरित बनाया जा सके। तो आइए...हम सब मिलकर विश्व पर्यावरण दिवस को सार्थक बनाने के लिए एक मंच से आवाज उठाएं। साथ ही संकल्पबद्ध होकर ग्रीन काशी के लिए हरित अभियान में कदम से कदम मिलाकर चलें। विश्व पर्यावरण दिवस पर जनमुख के पाठकों को जनमुख परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

सरोज सिन्हा

पर्यावरण प्रदूषण का समाधान ?

पर्यावरण प्रदूषण आज दुनिया की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बन चुका है। बढ़ते औद्योगीकरण, वाहनों का धुआं, प्लास्टिक कचरा, पेड़ों की कटाई और अनियंत्रित शहरीकरण ने हवा, पानी और मिट्टी को प्रदूषित कर दिया है। इसका असर न केवल प्रकृति पर बल्कि मानव स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हम जानने की कोशिश करेंगे कि पर्यावरण प्रदूषण की सबसे बड़ी वजह क्या है? इससे निपटने के लिए सरकार, समाज और आम नागरिकों को क्या कदम उठाने चाहिए? और इस गंभीर मुद्दे पर आम लोगों की क्या राय है?

प्रकृति के अंधाधुंध दोहन से हुयी है भयावह स्थिति

दीपक बजाज
चेयरमैन जयपुरिया स्कूल

आज सभी को पर्यावरण दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामना। जैसा कि रामचरित मानस में तुलसीदास जी ने लिखा है कि **'संत बिटप सरिता गिरि धरनी। पर हित हेतु सबन्ह कै करनी॥'** संत हो, वृक्ष, पर्वत या चाहे पृथ्वी हो यह सभी हम सबों के कल्याण के लिए ही कार्य करती है। किन्तु, आज के समय में प्रकृति के अंधाधुंध दोहन ने बड़ी भयावह स्थिति पैदा कर दी है। एक तरफ पश्चिम एशिया में युद्ध का संकट है, एक तरफ पूरा देश अलनीनो के डर से प्रभावित हो रहा है। हमें चाहिए कि हम पर्यावरण की रक्षा के लिए संकल्पित रहें। आज हम ग्रीन, एनर्जी सोलर एनर्जी की तरफ बढ़े, जितना कम से कम हम प्रकृति का दोहन करेंगे उतना पर्यावरण सुरक्षित रहेगा। यह प्रकृति हमारी मां हैं। यह हमारी रक्षा करेगी एवं वातावरण को शुद्ध रखेगी। हम सबका कल्याण करेगी।

आने वाली पीढ़ी के लिए हम पर्यावरण सुरक्षित रखें

दीपक कुमार बहल
अध्यक्ष- खत्री हितकारिणी सभा वाराणसी
संरक्षक- वाराणसी डेवलपेपर एण्ड बिल्डर एसोसिएशन

'जनमुख' को पर्यावरण दिवस पर जन जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल किये गये कार्यों के लिए बहुत- बहुत साधुवाद देता हूँ। यह बहुत ही अच्छी पहल है। पर्यावरण प्रदूषण को लेकर मैं कहना चाहूंगा कि आने वाली पीढ़ी के लिये हम पर्यावरण बचाकर नहीं रखें तो यह काफी कष्टकारी होगा। ज्यादा से ज्यादा पौधे लगायें, सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग करें, एसी का प्रयोग कम करें, इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल करें हम पर्यावरण को सुरक्षित रख सकते हैं। तभी हम स्वच्छ पर्यावरण आने वाली पीढ़ी को सौंप सकते हैं और यही हमारा उनके लिए सबसे बड़ा उपहार होगा। धन्यवाद!

पर्यावरण संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी

डा. नीलम ओहरी
स्त्री रोग विशेषज्ञ

प्रकृति और मानव का संबंध सदैव से परस्पर निर्भरता का रहा है। स्वच्छ वायु, निर्मल जल, उपजाऊ भूमि, वन और जैव विविधता न केवल हमारे जीवन को संभव बनाते हैं, बल्कि उसकी गुणवत्ता भी निर्धारित करते हैं। आज जब विश्व जलवायु परिवर्तन, बढ़ते प्रदूषण, जल संकट और प्राकृतिक संसाधनों के क्षरण जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब पर्यावरण संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक जिम्मेदारी बन गया है।

विश्व पर्यावरण दिवस हमें यह अवसर प्रदान करता है कि हम अपने दैनिक जीवन और विकास की दिशा का पुनर्मूल्यांकन करें। पर्यावरण की रक्षा केवल सरकारी नीतियों या बड़े अभियानों से ही संभव नहीं है; इसके लिए प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। जल का विवेकपूर्ण उपयोग, प्लास्टिक के प्रयोग में कमी, ऊर्जा संरक्षण, वृक्षारोपण तथा स्वच्छता के प्रति जागरूकता जैसे छोटे-छोटे कदम भी बड़े परिवर्तन का आधार बन सकते हैं।

एक चिकित्सक के रूप में मैं प्रत्यक्ष रूप से अनुभव करती हूँ कि प्रदूषित पर्यावरण का प्रभाव मानव स्वास्थ्य पर कितना व्यापक और गंभीर होता है। स्वच्छ पर्यावरण स्वस्थ समाज की आधारशिला है। इसलिए पर्यावरण संरक्षण को हमें अपने जीवन-मूल्यों का हिस्सा बनाना होगा।

आइए, इस विश्व पर्यावरण दिवस पर हम सभी संकल्प लें कि प्रकृति के प्रति अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करेंगे और आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ, हरित एवं सुरक्षित पृथ्वी सौंपने में अपना योगदान देंगे। यही मानवता और विकास के प्रति हमारी सच्ची प्रतिबद्धता होगी।

पौधे लगाने के साथ उनका संरक्षण भी सबसे अहम

विजय कुमार जैन

विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) के अवसर पर 'जनमुख हिन्दी दैनिक'' द्वारा पिछले 14 वर्षों से पौधारोपण एवं पौधे बांटने का कार्यक्रम निरंतर किया जा रहा है। इसके लिये 'जनमुख' परिवार को हार्दिक बधाई। इस वर्ष एक लाख पौधों के निःशुल्कवितरण की व्यवस्था है यह जानकर बहुत प्रसन्नता हुई और 'जनमुख' परिवार को साधुवाद। इस मौके पर हम बात करें पर्यावरण के खतरों की तो पर्यावरण के लिए सबसे बड़ा खतरा है अनियंत्रित मानवीय गतिविधियाँ, विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन और अंधाधुंध वनों की कटाई है। जीवाश्म ईंधन के अत्यधिक उपयोग और अनियोजित विकास के कारण वैश्विक तापमान बढ़ रहा है, जिससे पारिस्थितिकी तंत्र और जैव विविधता को भारी नुकसान हो रहा है।

पर्यावरण संरक्षण के समक्ष मौजूद प्रमुख खतरों को निम्नलिखित मुख्य श्रेणियों में समझा जा सकता हैं

जलवायुपरिवर्तन-वैश्विक तापमान (ग्लोबल वॉर्मिंग) में वृद्धि के कारण चरम मौसमी घटनाएं, ग्लेशियरों का पिघलना और समुद्र का जलस्तर बढ़ना सबसे बड़े खतरे हैं।

जैव विविधता का नुकसान- प्राकृतिक आवासों के विनाश (जंगलों की कटाई) के कारण जंगली जीवों और वनस्पतियों की प्रजातियां विलुप्त होने के कगार पर हैं।

प्रदूषण- प्लास्टिक प्रदूषण, वायु प्रदूषण और जल प्रदूषण का बढ़ता स्तर पृथ्वी के प्राकृतिक संतुलन को तेजी से बिगाड़ रहा है।

संसाधनों का अत्यधिकदोहन- बढ़ती जनसंख्या और औद्योगिकीकरण के कारण प्राकृतिक संसाधनों, विशेष रूप से स्वच्छ जल और भूमि का अंधाधुंध इस्तेमाल हो रहा है। पर्यावरण और पारिस्थितिकी को संतुलित रखने के लिए इन संकटों का समाधान खोजना और सतत विकास को अपनाना आज समय की सबसे बड़ी मांग है।

पर्यावरण संतुलित रखने के लिए इन संकटों का समाधान

पेड़ों की कटाई की रोकथाम एवं नये वृक्ष लगाकर पर्यावरण को संतुलित करना सबसे अहम है। हालांकि प्रतिवर्ष लाखों-करोड़ों पौधे लगाये जाते हैं परन्तु उचित देखभाल एवं समय पर पानी-देना भी जरूरी है जिसके अभाव में पौधे सूख जाते हैं। अतः आवश्यक है कि जिन एजेन्सियों द्वारा पौधे लगाये जाते हैं उनके द्वारा उन पौधों के रख रखाव की जिम्मेदारी भी वहन करने के लिये भी उनसे समझौता भी होना चाहिये।

नई सड़को को बनाने के बजाय पुरानी सड़कों का चौड़ीकरण करने से सड़कों के किनारे के पुराने वृक्ष कट जाते हैं। जो मकान आदि आते हैं उनको मुआवजा भी बहुत देना होता है। अतः प्लानिंग के समय ही नई सड़क बनाने की व्यवस्था होनी चाहिए इससे समय भी कम लगेगा और लागत भी कम होगी तथा पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा।

हर मकान या दुकान के सामने फुटपाथ पर एक वृक्ष लगाने को जरूरी करार दिया जाये और उस पौधे की जिम्मेदारी भी उसी को दी जाय।

इस प्रकार वृक्षारोपण करना और उसका रखरखाव करना ही पर्यावरण संतुलन बनाने के लिए एक मात्र उपाय है।

पौधों के साथ पानी का संरक्षण भी सबसे जरुरी

आर.सी. जैन
आर्किटेक्ट

मैं यही कहना चाहूंगा कि माता-पिता तो जन्म देते हैं परन्तु पर्यावरण हमारा पालन करता है। धरती पर हम चलते हैं, आसमान हैं ये पंचतत्व हैं यहीं हमारा पोषण करता है। जितने भी जीव-जन्तु है उसकी संरचना पंचतत्व से ही बनी है। पर्यावरण भी पंचतत्व से बना है। आज हमलोग पर्यावरण के प्रति उदासीन होते जा रहे हैं। संवेदनशीलता की आवश्यकता है। कोरोना का माहौल याद करें उस समय पर्यावरण का एक वीभत्स रूप नजर आया। क्यों हुआ ऐसा इसलिए हुआ कि आज के युग में मानव पर्यावरण से ऐसी खेल खेल रहा है। जो अनुचित है। कोरोना ने यह दिखा दिया जो व्यक्ति पर्यावरण के प्रति खेल खेलेगा वह मानवता के विरूद्ध विवश होगा। मैं यही संदेश देना चाहूँगा कि जितने भी पशु-पक्षी, वनस्पति हैं, उसकी रक्षा करें। आज बनारस के सड़कों पर पेड़ नहीं नजर आता। एक समय था पक्के महाल में एक आंगन हुआ करता था। आंगन में तुलसी के पेड़ होते थे। फुलवरियॉं होती थी। तब लोग पर्यावरण के प्रति सचेत थे। एक आर्किटेक्ट के तौर पर मैं यह कहना चाहूंगा कि हर बिल्डिंग में मकानों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था अमल में लायी जाय। वैज्ञानिक पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम आजाद ने कहा था कि आने वाले समय में 'जल का संकट होगा। अतः पौधों के साथ ही पानी का संरक्षण भी अवश्य की जाय।

आदतों में सुधार से बहुत कुछ बदलाव संभव

सीए जमुना शुक्ला
सीनियर मोस्ट लेडी प्रैक्टिशनर
ऑफ वाराणसी
सदस्य जिला पर्यावरण समिति

`पर्यावरण की अनगिनत गंभीर समस्याएद्रं हैं। वृक्षों की कटान, शहरीकरण हो रहा है। और जितने कहे जाते हैं उतने वृक्ष नहीं लगते। यह बड़ी वजह है। इसके साथ-साथ हमने भी अपनी आदतें खराब कर ली हैं। सुख-सुविधा, ठण्ड में रहने की आदत पाल ली है, हम चाहें तो बिजली की बचत कर सकते हैं, एसी कम चलाएं। और पानी का दोहन हम अतिरेक करते जा रहे हैं, उसे चाहे तो कम कर सकते हैं। तो पहले हम अपनी दिनचर्या को सही करें तो बहुत चीजें बेहतर हो सकती हैं। आप देखिए आज के बच्चों को एसी का अंधाधुंध प्रयोग करने की आदत हमसब डलवा रहे हैं। हम लोगों का यह आदत नहीं थी। आने वाले दिन में समस्या पानी की होगी। पानी का संरक्षण करना होगा। वृक्ष लगाना जरूरी है। हमें गांवों की ओर जाना होगा क्योंकि शहर में कोई जगह नहीं है। गांव-गांव जाकर हमें वृक्ष लगाने होंगे। घना वन बनाना होगा। एक तकनीक है जो कि कम जगह में घना जंगल बनाया जा सकता है। हमें उन तकनीक की ओर मुड़ना होगा।

धन नहीं, ध्यान दें

काशी को स्वच्छ-सुन्दर, हराभरा बनाने में सहयोग करें

- पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्षारोपण करें।
- स्वयं सड़क व गलियों में गन्दगी न करें।
- मां गंगा को अविरल-निर्मल बनाने में सहयोग करें।
- सड़क व गलियों में खुद अतिक्रमण न करें।
- शहर को जाम की समस्या से मुक्त कराने में सहयोग करें।

अनुरोध-वाराणसी विकास समिति

पर्यावरण संरक्षण के लिए पेड़ लगाने के साथ ही स्वच्छता पर भी जोर हो

डा. दिव्यांक पाठक
वात्सल्य हॉस्पिटल वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ

05 जून पर्यावरण दिवस के अवसर पर यह कहना चाहता हूँ कि पर्यावरण बहुत ही प्रदूषित होता जा रहा है। पेड़ खत्म होते जा रहे हैं। पाल्युशन बढ़ने का कारण पेट्रोल व डीजल की गाड़ियों का इस्तेमाल कर रहे हैं, एसी का प्रयोग हम बहुत ज्यादा कर रहे हैं। इण्डस्ट्रीज में पेट्रोल-डीजल का इस्तेमाल होता है। गंगा में केमिकल्स जा रहे हैं। इसका इलाज ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएं, गंदगी को दूर कर स्वच्छता बनाये रखें, ऐसी का कम प्रयोग करें। इसके अलावा और भी जितने कार्य पर्यावरण संरक्षण के लिए किये जा सकते हैं उसे अवश्य करें ताकि स्वस्थ पर्यावरण का उपहार अपने आने वाली पीढ़ियों को दे सकें।

पौधारोपण के साथ पानी बचाने के लिए घरों में लगाएं वाटर रिचार्ज सिस्टम

सीए रश्मि केसरवानी
वी.आर.के ज्वेलर्स

पर्यावरण की स्थिति पूरे धरती पर चिन्ताजनक बनती जा रही है और धीरे-धीरे बढ़ते जा रहे हैं। इसके बहुत कारण है। हमारे पूर्वज कहा करते थे कि जितना हम प्रकृति से लेते हैं उतना प्रकृति को देना चाहिये। अब, धीरे-धीरे जंगल कटते जा रहे हैं, वन-नदियों का पानी सूखता जा रहा है। यह बहुत ही विकट स्थिति आती जा रही है। यह आने वाली पीढ़ियों के लिए विषम स्थिति बनती जा रही है। बारिश का पानी अब धरती नहीं सोखती बल्कि नालियां में बह जाती है। अतः हमें घरों में ग्राउंड वाटर रिचार्ज करें और पेड़ लगायें आदि छोटे-छोटे कार्य कर पर्यावरण को बचा सकते हैं।

छोटे-छोटे प्रयास से भी पर्यावरण की रक्षा के लिए बड़े प्रयास संभव

अभिषेक कुमार गुप्ता
मंडल प्रबंधक
केनरा बैंक

सभी काशीवासियों को विश्व पर्यावरण दिवस की अग्रिम शुभकामना। '**जनमुख**' द्वारा पर्यावरण की दिशा में किये जा रहे चेतना व प्रयास की वजह से वह बधाई के पात्र हैं। पर्यावरण के लिए खतरे जो सामने नजर आते हैं वह यह है कि वनों की अंधाधुंध कटाई जिसके कारण पर्यावरण प्रदूषण बढ़ रहा है। ग्लोबल वार्मिंग हो रहा है। इसके अलावा बढ़ता हुआ वायु प्रदूषण व प्लास्टिक का इस्तेमाल खतरा बना हुआ है। एसी के इस्तेमाल से बिजली की खपत व कार्बन-डाई-ऑक्साइड समेत जहरीले तत्व नुकसानदायक है। अतः ज्यादा से ज्यादा इलेक्ट्रिक वाहन, सिंगल यूज, प्लास्टिक, जूट का वैग का प्रयोग, सोलर एनर्जी का इस्तेमाल आदि छोटे-छोटे कार्यो से सहभागिता करें ताकि पर्यावरण संरक्षित रह सकें।

वाहनों का इस्तेमाल कम से कम करें, तभी घटेगा पर्यावरण प्रदूषण

डा. दिव्या अग्रवाल
डायरेक्टर
आयुष्मान हॉस्पिटल

हमारा फर्ज बनता है कि पर्यावरण को बचाने में कुछ सहयोग करें। पर्यावरण का मेन खतरा आज पेड़ कटते जा रहे हैं और पूरा शहर कंक्रीट का जंगल बनता जा रहा है। और प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। हम ज्यादा से ज्यादा यहीं कह सकते हैं कि पौधे अधिकाधिक लगायें। इससे वायु प्रदूषण कम होता है। साथ ही वाहनों का इस्तेमाल कम से कम करें।

प्लास्टिक का इस्तेमाल न करें

वंदना मक्कड़
मन्नत हॉस्पिटल

पर्यावरण के बारे में यह कहना चाहूंगी कि रोज की दिनचर्या में प्लास्टिक का इस्तेमाल न करें। प्लास्टिक पैक चाहे वह फल हों या खिलौने उसे नजरअंदाज करें। बच्चों के जन्म दिवस पर एक पौधा अवश्य लगाएं जो पर्यावरण को कम से कम प्रदूषित करने की कोशिश की शुरुआत होगी। टू-व्हीलर, फोर-व्हीलर का इस्तेमाल कम करें उसकी जगह साइकिल व पैदल चलें। दूसरी ओर एसी का इस्तेमाल भी कम की जाएं उसके जगह अच्छे वेंटिलेशन का प्रयोग करें इससे पर्यावरण बहुत हद तक बचा रहेगा। मोबाइल का उपयोग कम करें इससे रेडिएशन जो निकलता है वह भी पर्यावरण को प्रदूषित करता है।

बच्चों की एलर्जी और इम्यूनोथेरेपी द्वारा इलाज का उत्तर प्रदेश का एकमात्र संस्थान
VATSALYA PEDIATRIC RESPIRATORY & ALLERGY CARE CENTRE

Dr. Divyank Pathak
MBBS, MD (Pediatrics) IFPCCM, DPAA,DPSM,FAAP
Ex Consultant PICU
Expert of Serious & Allergy Patients
विश्व पर्यावरण दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
भूतपूर्व चिकित्सक
मेंदांता– द मेडिसिटी, गुरूग्राम
सर गंगाराम हॉस्पिटल, नई दिल्ली
Expert of Serious Patient, Sleep Medicine
Allergy,Asthma & Pulmonology in Children

उपलब्ध सुविधाएं :- ▪ एडवांस अस्थमा एण्ड एलर्जी केयर ▪ एन.आई.सी.यू. ▪ पी.आई.सी.यू. ▪ नेजल एण्डोस्कोपी ▪ फेफड़ों की गंभीर बीमारी (CRD) विश्व की सबसे आधुनिक जांच एलर्जी का कारण पता करने हेतु ▪ FOT द्वारा फेफड़ों की जांच ▪ नवजात व बड़े बच्चों का फ्लैक्सीबल ब्रान्कोस्कोपी ▪ एलर्जी का कारण पता करने हेतु स्कीन प्रिक टेस्ट (SPT) ▪ एलर्जी का कारण पता करने हेतु स्पेसिफिक टेस्ट (IGE)
24/7
जन्म से लेकर 18 वर्ष तक के बच्चों के एकमात्र एलर्जी फेफड़े एवं बच्चों के गंभीर रोगों के इलाज का केन्द्र
Where compassion meets Quality...
वात्सल्य चिल्ड्रेन हॉस्पिटल
(A Super Speciality Unit)
बच्चों से प्यार ही तो वात्सल्य है
Near Mahaveer Mandir Crossing, Orderly Bazar, Varanasi- 221002
Ph. : 0542-2505505 www.vatsalyavns.co.in
Helpline No. 9838713111

ग्लोबल वार्मिंग आने वाली जनरेशन के लिए बड़ा खतरा

डॉ. अवनीश राय
न्यूरो सर्जन

अभी जून का महीना आने वाला है और यह मई का लास्ट विक है। ये जो नार्दन इंडिया का टेम्परेचर स्केल है वह 40-45 के ऊपर जा रहा है। आपको सुनकर बड़ा आश्चर्य होगा कि आज दुनिया का 100 बड़े वार्म सिटी में 97 सिटीज, इण्डिया के है। तो जो ग्लोबल वार्मिंग का खतरा है यह सबसे बड़ा इन्वायरमेंटल खतरा है। हमारे देश में इन्वायरमेंटल खतरा इसलिए है कि क्योंकि 150 करोड़ की जनसंख्या है। अगर ग्लोबल वार्मिंग का असर आएगा तो सबसे पहले एक गरीब, पुअर और डेवलेपिंग देश पर आएगा। अगर हम पौधे नहीं लगायें, नैचुरल सम्पदा एवं पानी, नदी का ख्याल नहीं रखते हैं तो ग्लोबल वार्मिंग आने वाली नस्लों के लिए हमारी जेनरेशन के लिए, नेक्सट जनरेशन के लिए बहुत बड़ा खतरा होगा। और ह्यूमिनिटी के लिए एक बहुत बड़ा क्राइसिस होगा। हम सबको मिलकर फ्यूचर जनरेशन के लिए प्रयास करना है कि ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाए और इसका ख्याल रखना होगा कि आने वाली हमारी जनरेशन सुरक्षित रहे।

छोटे-छोटे प्रयास से पर्यावरण को प्रदूषण से मुक्त रख सकते हैं

डा. शेखरपुरी
समर्पण गैस्ट्रो लिवर क्लीनिक

'पर्यावरण' के लिए सबसे बड़ा खतरा आज के जमाने में प्रदूषण है। जिस तरह गाड़ियों से, इण्डस्ट्रीज से, ग्लोबल वार्मिंग से प्रदूषण निकल रहा है। ग्लोबल वार्मिंग बढ़ता जा रहा है। तापमान क्षेत्रों का बढ़ता जा रहा है। श्वांस, हृदय सब तरह के मरीजों की दिक्कतें बढ़ती जा रही है। इसका हमारी सेहत पर, खान-पान पर व नींद पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। हमलोग जो फोर व्हीलर, टू व्हीलर चलाते हैं। वाहनों का चेकअप बराबर कराते रहे। ज्यादातर साइकिल का प्रयोग करें अथवा पैदल चलें यह स्वास्थ्य के लिए स्वास्थ्य वर्धक है। दूसरा इण्डस्ट्रीज को शहर की सीमा से बाहर रखें ताकि शहरी जीवन पर इसका प्रभाव कम से कम पड़े। अतः छोटी-छोटी चीजों को करके हम अपने शहर को, स्वास्थ्य को प्रदूषण से मुक्त रख सकते हैं। और पर्यावरण को सुरक्षित रख सकते हैं।

वृक्ष लगाएं और उसका पालन पोषण भी करें

अनिल कुमार जैन

पर्यावरण दिवस पर आज 'जनमुख' द्वारा जो पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा है उसके लिए मैं बधाई देता हूँ। प्रत्येक वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस पर लोगों को सिर्फ जागरूक ही नहीं किया जाता बल्कि पौधों का वितरण एक बहुत ही सकारात्मक कदम है। साथ ही लोगों को आगाह करता है कि अगर हम वृक्ष नहीं लगायेंगे तो कल के दिन में बहुत ही संकट आ जाएगा। हम अनुरोध करते है कि एक वृक्ष अवश्य लगायें उसको पोषण करें उसे पल्लवित- पोषित करें और उसकी देखभाल करें तब तो वृक्ष का लगाना सार्थक है। जिस प्रकार पूरे शहर को कंक्रीट का जंगल बनाये जा रहे हैं। मॉल, शापिंग या बड़ी-बड़ी मल्टीकाम्प्लेक्स बनाये जा रहे हैं। जल का दोहन कर रहे हैं। तो आने वाले समय में हो सकता है जल ही शायद युद्ध का कारण बनें। अतः हम वृक्ष अवश्य लगायें। वृक्ष लगाकर उसे बड़ा करें। पोषण करें। प्रधानमंत्री मोदी जी ने भी पर्यावरण को लेकर 'एक वृक्ष मां के नाम' अभियान शुरू किया है। अगर हम वो भी कर लें तो पर्यावरण की जो दुश्वारियां हैं उससे निजाद क्या बल्कि हमारे लिए एक बहुत बड़ी सुविधा हो सकती है। तो आइये, हमसब संकल्प लें। एक वृक्ष लगायेंगे एवं उसका पालन-पोषण कर उसे पल्लवित व पुष्पित करेंगे।

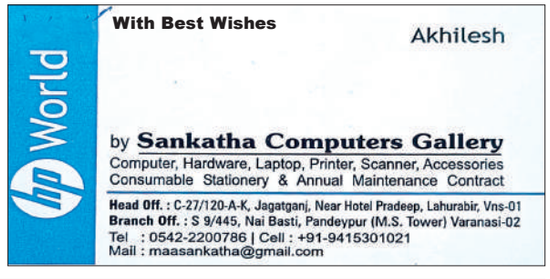

पर्यावरण के लिए मानव ही सबसे बड़ा खतरा

प्रभाष चन्द्र लाल
उपमहाप्रबंधक
पंजाब नेशनल बैंक

पर्यावरण दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य यह है कि पूरे विश्व में लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना है। पर्यावरण का सबसे बड़ा खतरा मानव है। हमही को पर्यावरण की ज्यादा जरूरत है। जल हो, जमीन हो, या आसपास का वातावरण हो आज देश के कई शहरों में सांस लेने भर की हवा नहीं बची। आज संयोग से अभी का समय नौतपा है। वाराणसी में और देश के अन्य लोग भी यह महसूस कर रहे है कि तापमान कितना हो गया है और इसके लिए तमाम रूप से ट्रजिम्मेदार मानव जाति ही है। सवाल है पर्यावरण दिवस मनाने का फायदा क्या है पर्यावरण को बचाने के लिये सबसे पहले जो हमारे मस्तिष्क में गन्दगी भरी है उसे दूर करना है। हमें यह विश्वास करना होगा कि हमें सचमुच में पर्यावरण खतरे में है। एसी रूम में बैठकर यह सोचना कि हम ठण्डी, स्वच्छ हवा प्राप्त कर पाने से सुरक्षित हैं। ऐसा नहीं है। केबिन की खिड़की के बाहर ऐसा माहौल नहीं है। पर्यावरण के लिए हमें जिम्मेदारी लेनी होगी। संकल्प लेना होगा एवं उस संकल्प को कर्तव्य रूप में परिवर्तित करना होगा। अगर अपनी रोजमर्रा की छोटी-छोटी आदतों में सुधार नहीं करेंगे। और पर्यावरण के प्रति हर व्यक्ति सचेत नहीं होगा। 'पर्यावरण- दिवस' मनाने का कोई खास फायदा नहीं। अपने एसी रूम से निकलते वक्त अगर हम केबिन की लाइट नहीं बन्द करते हैं तो समझें पर्यावरण सुरक्षित नहीं है। इस विषय में बताना चाहूंगा कि 'पंजाब नेशनल बैंक' पर्यावरण के प्रति हमेशा से जागरूक रहा है। पंजाब नेशनल बैंक ने 'प्लास' नाम की योजना शुरू की है जिसमें प्रत्येक वर्ष हमारे, लोग स्टाफ- सदस्य पेड़ लगाते हैं और यह कोशिश रहती है कि कम से कम कार्बन उत्सर्जित हो। जब हम केबिन में न हों तो हमारे 'प्रधान कार्यालय से निर्देश है कि लाइट बन्द रखी जाय। ज्यादातर 'डिजिटल' का सहारा लें। पेपर का दुरूपयोग न हों। क्योंकि, पेपर का दुरूपयोग पेड़ कटने के बराबर है। भारत सरकार की जो योजना है कि 2070 तक हम नेट यूटिलिटी प्राप्त करें। इस दिशा मे 'पंजाब नेशनल बैंक एक जिम्मेदार संस्था के रूप में कार्य कर रहा है। मैं सौभाग्यशाली हूँ कि 2014-2017 तक मेरा उत्तराखण्ड के रामनगर में पोस्टिंग था जहां 'कल्पतरू वृक्ष' नाम की समिति में अब तक 50-60 हजार पेड़ हमलोग लगा चुके हैं एवं नियमित रूप से वे लोग कार्य किये जा रहे हैं। इसे फेसबुक में जाकर देख सकते हैं। मैं इस 'जनमुख' चैनल के माध्यम से देश के सभी नागरिकों से यह कहना चाहूँगा कि पर्यावरण की जिम्मेदारी में आप यह न समझें कि अकेले हैं। आप थोड़ा-थोड़ा सहयोग कर पर्यावरण को स्वच्छ बनाये रख सकते हैं। तो पूरी की पूरी जिम्मेदारी का निर्वहन हो जायेगा।

पर्यावरण को नुकसान पहुँचाने वाले उपकरणों का कम से कम इस्तेमाल करें

शिवकुमार जायसवाल
कन्हैया लाल सर्राफ

पर्यावरण आज की बड़ी ज्वलंत समस्या है और इसका उत्तरदायित्व भी हम ही लोग के ऊपर है। मेरी आप सबसे अपील है कि वाहनों का इस्तेमाल कम से कम करें। एयरकंडीशन का उपयोग कम करें और ऐसे तमाम उपकरण फ्रीज आदि जो हमारे ओजोन की परत को नुकसान पहुँचाते हैं। जितना संभव हो सके कम से कम इस्तेमाल करें। वृक्ष लगायें। आस-पास साफ-सफाई रखें। वृक्षों की कटाई कम से कम करें। जिससे पर्यावरण को कम से कम क्षति हो।

आने वाली पीढ़ी के लिए पर्यावरण की रक्षा सबसे जरुरी

सीए आदेश अग्रवाल

पर्यावरण सबके लिए बहुत जरूरी है और आने वाली पीढ़ी को हम अच्छा पर्यावरण व माहौल दें सके इसके लिए जरुरी है कि हम पर्यावरण रक्षा के लिए जितना सहयोग कर सकते हैं करें। अभी हाल में ईरान का जो मसला था। वहां जो युद्ध हुआ वह तेल की वजह से ही हुआ। प्रधानमंत्री जी ने जो सुझाव दिया है कि 'तेल' को बचायें। वाहनों का इस्तेमाल कम करें। कारपोलिंग करें तो हमें भी इस सुझाव को अमल में लाना चाहिए। यह पर्यावरण के लिए भी सबसे उपयुक्त है कि हम वाहनों का कम इस्तेमाल करें। पाकिस्तान से जब युद्ध हुआ तो पानी का मसला बना। आने वाले दिनों में 'पानी' भी संकट का कारण बन सकता है। अतः हमें तेल का प्रयोग कम पानी का दोहन व प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद करने आदि कार्य पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिगेत करना जरूरी है।

पेड़ बचाएं और ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाएं

नमन लोहिया
सुमंगल ज्वेलर्स

'सुमंगल ग्रुप' की तरफ से मैं नमन लोहिया पर्यावरण दिवस की हार्दिक धाई देता हूँ और सभी बनारस के नागरिक से अनुरोध करता हूँ कि जितने भी पेड़ पहले से लगे हैं उन्हें बचाने की कोशिश करें और ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाएं। इलेक्ट्रॉनिक वाहनों का इस्तेमाल करें। आपका छोटे सा कदम बहुत बड़ा योगदान देगा। आइए हम सब मिलकर पर्यावरण रक्षा में सहयोग करें ।

सरकारी और स्वयंसेवी संस्थाएं मिलकर सुनिश्चित करें हरियाली

द्रडा. सूर्य कुमार
चाइल्ड स्पेशलिस्ट
गंगाराम मल्टीस्पेशियलिटी क्लीनिक

पर्यावरण दिवस पर आप सभी को हार्दिक शुभकामना देता हूँ। इस साल बढ़ती हुयी गर्मी हम सबों ने अहसास किया है। हम देख रहें हैं कि जंगल व वनों का क्या हाल है।
विकास का काम बहुत तेजी से बढ़ रहा हैं। हाइवे बन रही है। चौड़ी-चौड़ी सड़कें हो रही है। वैज्ञानिक तरीके से डिवाइडर पर लगने वाले पेड़ ही लगाये जाय एवं इसकी देखभाल का जिम्मा सरकारी संस्थान करें एवं स्वयं सेवी संस्थाओं को भी जोड़े और हरियाली सुनिश्चित करें। विद्यालय प्रबंधकों को चाहिये कि बच्चों को पौधारोपण के लिए ले जायें एवं बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करें। हमें एक पेड़ लगाकर उसे भूलने की बजाय एक जिम्मेदारी के साथ उसकी देखभाल करना ज्यादा जरूरी है।

पर्यावरण संरक्षण हम सबका कर्तव्य

डॉ. पूजा शर्मा पाण्डेय

पर्यावरण प्रदूषण पूरे विश्व की आज समस्या बन चुकी है। बढ़ते उद्योग, पेड़ों की कटाई प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग पर्यावरण के संतुलन को बिगाड़ रहा हैं। इसका प्रभाव जलवायु, एवं स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। जैसा हम जानते हैं कि जल ही जीवन है। पेड़ इस पृथ्वी के फेफड़े हैं। अगर हम प्रकृति का संतुलन बिगाड़ेंगे तो कई प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ सकता है। आज ग्लोबल वार्मिंग, बाढ़ अत्यधिक गर्मी सूखा इसी का परिणाम है। पर्यावरण संरक्षण सिर्फ सरकार की जिम्मेदारी नहीं बल्कि यह हम लोगों का भी कर्तव्य है। अत्यधिक पेड़ लगाना, पानी- बिजली का बचत करना, प्लास्टिक का उपयोग कम से कम करना चाहिये। अगर हर व्यक्ति यह छोटे-छोटे कदम उठायें तो वह पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे सकता है। पर्यावरण दिवस हमें यह संदेश देता है कि हम प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझे। और पृथ्वी को हरा-भरा रखें। अंत में मैं यह कहना चाहूंगी कि पर्यावरण बचाने में इस अभियान में अपना योगदान दें। क्योंकि स्वस्थ पर्यावरण ही स्वस्थ जीवन की पहचान है।

जीरो प्लास्टिक की ओर हमें बढ़ना होगा

आदर्श कुमार
विभा हेयरिंग एण्ड स्पीच थेरेपी

एक अच्छे स्वस्थ पर्यावरण के लिए जरूरी है कि हम अपने आस-पास साफ-सुथरा रखें। इसी के साथ एक अच्छे स्वास्थ्य के लिए एक अच्छा खाना-पीना ही नहीं बल्कि अच्छे पर्यावरण की जरूरत है। आज दुनिया में पर्यावरण का बहुत गहरा संकट है क्योंकि अत्यधिक पेड़ों की कटाई की वजह से ध्वनि प्रदूषण से, वायु प्रदूषण से, प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक इस्तेमाल हो जाने की वजह से पर्यावरण का बहुत गहरा संकट है। तो हमें क्या करना चाहिए पर्यावरण को स्वच्छ रखना होगा। इसके लिए हमें प्लास्टिक के उत्पाद का इस्तेमाल कम से कम करना चाहिए। हमें जीरो प्लास्टिक की ओर बढ़ना चाहिये। हमें बिजली को बचाना चाहिये, पावर कन्जप्सन को कम करना है। जल को संरक्षित करना है। अतः प्राकृतिक संसाधनों को कम से कम इस्तेमाल करें। ग्लोबल वार्मिंग के लेवल को कम रखेंगे ताकि आने वाली पीढ़ी को हम एक स्वच्छ पर्यावरण दे सकें। यही मेरी ओर से पर्यावरण दिवस पर आप सभी को संदेश है। कि हम ध्वनि, वायु, जल, प्लास्टिक से एवं प्राकृतिक संसाधनों का वातावरण को प्रदूषित होने से बचायें।

पानी का दोहन, प्लास्टिक का इस्तेमाल कम करें

दीपक बालचंदानी

'जनमुख' परिवार द्वारा पिछले 13 वर्षों से पर्यावरण की दिशा में कार्य किया जा रहा है। हमारी अपील आपसबों से है कि गर्मी को देखते हुए एवं प्रदूषित पर्यावरण के कारण ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण करें। प्लास्टिक का कम प्रयोग करें तथा पानी का दोहन न करें ताकि पर्यावरण सुरक्षित रह सके।

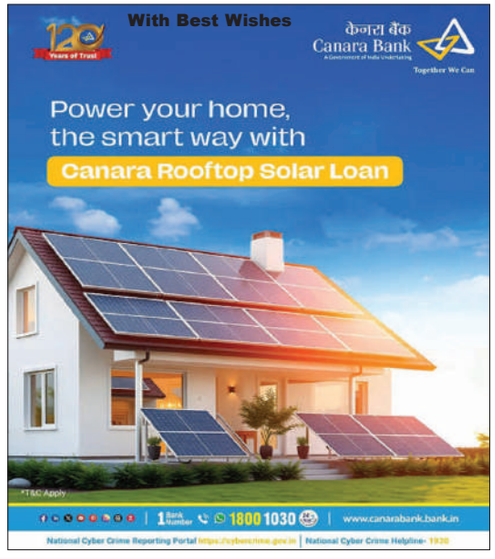

विश्व पर्यावरण दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं

देश में रिसर्च कल्चर डेवलप करने की जरुरत

डा. रोहित पाण्डेय
हड्डी रोग विशेषज्ञ

'जनमुख' की बहुत अच्छी पहल है कि पर्यावरण पर हम स्पेशल फोकस कर रहे हैं। और आज सबसे बड़ा इम्पार्टेंट है कि हमारे देश में जो पेट्रोल-डीजल का संकट है। जो बताता है कि हम किस हद तक दूसरे देशों पर निर्भर हैं। साथ ही यह पर्यावरण प्रदूषण को भी बढ़ाता है। इसलिए जरुरत है कि हम रिसर्च ओरिऐण्टेड बनें और ऐसी चीजों की खोज करें जो हमें सब्सटयूट दें इसके लिए रिसर्च कल्चर डेपलेव करने की जरूरत है। जिससे हम जरुरत की चीजों को हम अपने देश में बना सकें। इससे प्रदूषण निश्चित कम होगा और दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता भी घटेगी।

पर्यावरण के लिए सबसे बड़ा खतरा हम सब खुद हैं

विकास अग्रवाल
डयूरो पाईप इण्डस्ट्रीज प्रा. लि.।

पर्यावरण बचाने के सबसे पहले हमें अपने आपको बदलना होगा। प्रकृति ने हमें जो भी चीजे प्रदान किये है उसे कभी न उजाड़े और ना छेड़े। जहां तक हो सके उनको संजोकर रखे। ताकि हम और हमारी आने वाली पीढ़ी भी स्वस्थ्य पर्यावरण से युक्त देश पाए और और प्रदूषण मुक्त जीवन जीए। **नहीं तो यह प्रदूषण आने वाली पीढ़ी के लिए बेहद घातक होगा।**

विश्व पर्यावरण दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

ऋषभ चन्द्र जैन
अध्यक्ष
दिगम्बर जैन समाज काशी

प्लास्टिक का उपयोग कम से कम करें

आप सभी को पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं।

डा. बीना मानसिंघा

आज विश्व पर्यावरण दिन पे मैं सभी से अनुरोध करना चाहती हूँ कि हमें अपने वातावरण को शुद्ध करने के लिए अधिक से अधिक वृा लगाना चाहिए, जहाँ तक हो प्लास्टिक का उपयोग कम करना चाहिए और हो सके तो आज के दिन सभी जनपद वासियों को प्रण लेना चाहिए कि वे अपने वातावरण के आस-पास सफाई और अधिक से अधिक वृक्ष लगाने के लिए हमेशा अपने आपको और अपने आस-पास सभी लोगों को प्रेरित करना चाहिए।

विश्व पर्यावरण दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं
पी.एन. सर्जिकल नर्सिंग होम एवं लैप्रोस्कोपिक सेंटर
डॉ. पी. एन. तिवारी
MBBS, FRCS (Edin)
(पेट रोग विशेषज्ञ), जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. अनुपम तिवारी
MBBS, MS FIAGES, FMAS
(पेट रोग विशेषज्ञ), जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन
हुकुलगंज त्रिमुहानी, चौकाघाट, वाराणसी • 731854422, 9695627272

पेट्रोल-डीजल और कोयले का इस्तेमाल कम करें

डा. वैभव पाण्डेय
स्टेला डॉयग्नोस्टिक

हमें अपने पर्यावरण को बचाने के लिए कुछ कदम उठाने चाहिए। पर्यावरण के लिए सबसे ज्यादा जो हानिकारक है वह प्रदूषण है। इसके लिए पेट्रोल-डीजल व कोयले का इस्तेमाल अत्याधिक हो रहा है। इलेक्ट्रिक वाहनों का प्रयोग करें और हम कोशिश करें कि अपने जीवन में इसे कम से कम इस्तेमाल करें ताकि पर्यावरण को जो नुकसान हो रहा है वह कम से कम हो।

वृक्षों को काटने के बजाएं, वैकल्पिक उपाए ढूढें

महेश मूंदड़ा
नागरमल ऐकेडमी

पर्यावरण के खतरे से निपटने की आज के समय में चुनौती है। देखा जाय तो एक वृक्ष को लगाने में वर्षो लग जाते हैं परन्तु एक वृक्ष काटने में कुछ भी समय नहीं लगता है। जितने वृक्ष लगाये नहीं जा रहे हैं। उतने काट दिये जाते हैं। पर्यावरण दिवस पूरे विश्व में पौधारोपण कार्यक्रम की टाइल्स चलायी जाती है। मूलतौर पर अगर हमें पर्यावरण दिवस के लिए कुछ करने की जरूरत लगती है तो हम अपने आने वाली पीढ़ी को पर्यावरण की एक समझ दे सकते हैं। क्योंकि हम देखते हैं कि गर्मी की शुरूआत में ही तापमान 47से. 48 डिग्री चला जाता है जो यह आने वाली पीढ़ियों के लिए भी ठीक नहीं है। यह एक गंभीर विषय है। शासन- प्रशासन को इसपर ध्यान देने की बहुत जरूरी है। वृक्षों को बिना वजह काट दिया जाना उचित नहीं है। इसका अल्टरनेट उपाय भी किये जा सकते हैं कि बिना पेड़ काटे इसे दूसरे जगह भी लगाये जा सकते है। यही मेरा सुझाव हैं।

पेड़ों के कटने से पूरा इको सिस्टम प्रभावित

डा. रूचि सिन्हा
गायनोकोलॉजिस्ट

पर्यावरण के लिए सबसे बड़ा खतरा जो प्रदूषण हो रहा है और पेड़ कट रहे हैं। जिसकी वजह से पर्यावरण में काफी बदलाव आ गया है। सारा इको सिस्टम इफेक्ट हो गया है। जिसकी ज्यादा गर्मी का दंश जो झेल रहे हैं इसकी वजह ही प्रदूषण है। और पेड़ों का अधिक कटना है। अतः मैं सबसे निवेदन करुंगी कि हमें मिलकर ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने चाहिये। जिससे पर्यावरण प्रदूषण कम हो।

पर्यावरण के लिए प्लास्टिक बेहद घातक

दिनेश कुमार गुप्ता
स्काई ट्यूटोरियल्स

प्लास्टिक से पर्यावरण को काफी नुकसान होता है। इसे गाय आदि पशु खा लेते हैं तो वह उनकी मृत्यु का कारण भी बनता हैं। ऐसे में प्लास्टिक के इस्तेमाल को बंद करना होगा। विश्व पर्यावरण दिवस पर आइए हम सब प्लास्टिक का इस्तेमाल न करने का संकल्प लें। साथ ही एक वृक्ष अवश्य लगायें ताकि हमारा पर्यावरण स्वच्छ रहें।

Maniram Tubes Pvt. Ltd.
Authorised Distributor
Anil Agarwal
Mobile: +91 98385 06916
Email: anilmtpl@gmail.com
With Best Wishes
SHAKTI PUMPING LIFE
Address: C-21/1C-A, Station Road, Maldahiya, Varanasi, UP- 221002

विश्व पर्यावरण दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं
DURO Supreme
DURO PIPE INDUSTRIES PVT. LTD.
25 YEARS OF EXCELLENCE
बोरिंग का सबसे भरोसेमंद पाईप
असली बोरिंग पाईप ड्यूरो पाईप
www.duropipe.com
Varanasi (up) 7617802222

With Best Wishes
Vertigo & Balance Disorder Clinic
E.N.T. CLINIC & NURSING HOME
ISO 9001 : 2015 Certified Hospital
Dr. Rajeev Mishra
M.B.B.S., M.S. (I.M.S. BHU)
ENT Surgeon
नाक, कान, गला रोग विशेषज्ञ
Specialist IN:
Microsurgery of Ear, Micro laryngeal & Endoscopic Sinus Surgery
• Website : www.rajeeventclinic.com
• E-mail: rajeeventcinic7@gmail.com
• Visit : www.mytonsils.com for FAQs . An Tonsils & Adenoids
• Only ENT CENTER Equipped with Coblation, DIODE LASER AND CO2LASER
D.59/115, SIGRA, VARANASI
• Ph.: 0542-2222261, 2223269 • Mob.: 9415220402
FACILITIES AVAILABLE
• All Type of Head & Neck Surgery
• LASER Surgery
• Microsurgery of Ear & Larynx
• Endoscopic Sinus Surgery
• Laryngostroboscopy
• Microsurgery for Deafness & Discharge
• Endoscopic Sinus Surgery
• Surgery of Thyroid & Neck Swellings
• FESS using XOMED & Smith Nephew Mircrodebrider
• Painless Cablator Surgery for Tonsils And Adenoids
• Otoneuno logic Clinic
• Spirometry
• Polysomnagraphy
EAR Surgery
NOSE Surgery
THROAT Surgery
COBLATION द्वारा टॉसिल के ऑपरेशन की सुविधा
visit:www.myfansis.com
• कम से कम दर्द
• रक्त स्राव रहित
सुक्ष्मदर्शी द्वारा गले तथा कान के पर्दे का आपरेशन एवं दूरबीन द्वारा नाक की जांच तथा ऑपरेशन
Head Neck Surgery, Diagnosis & Treatment of Speech & Langauge Disorders and Speech Therapy
गूंगे एवं बहरेपन की जांच, इलाज तथा स्पीच सेंटरी
NBI (Narrow Band Imaging) द्वारा कैंसर की जाँच एवं पहचान

संकल्प
एक समग्र सामाजिक, सांस्कृतिक व शैक्षणिक संस्था
संकल्प परिवार
5 जून विश्व पर्यावरण दिवस पर
वृक्ष लगाने का आवाहन करता है।
स्वच्छ पर्यावरण हेतु शमी व तुलसी के पौधों का वितरण करते संकल्प के संरक्षक अनिल कुमार जैन
संकल्प द्वारा स्थापित नवग्रह व नक्षत्र वाटिका में वृक्षारोपड़ करते संकल्प के संरक्षक अनिल कुमार जैन
साँसें हो रही हैं कम
आओ पेड़ लगायें हम
पंजीकृत कार्यालय
9,पार्वतीपुरी कालोनी,कमच्छा, गुरूबाग, वाराणसी
फोनः 9839062623

पेड़ कटे तो लगाए भी जाएं

डॉ. शिवेन्द्र श्रीवास्तव

आज कल जो प्रदूषण को लेकर जो भी कार्य हो रहे हैं एवं विकास के नाम पर जो चीजों को बदला जा रहा है उसमें पेड़ भी काटे जा रहे हैं। आदि कई जरुरही कार्य किए जा रहे हैं तो उनके करने का तरीका बदला जाना चाहिये। पेड़ कटे तो पेड़ लगना भी चाहिये जो कि नहीं हो पा रहा है। कहीं लग भी रहा है परन्तु देखभाल का अभाव है। पेड़ कटना नहीं चाहिए। पेड़ लगाने पर सरकार ध्यान नहीं दे रही है। जितने भवेस्ट मैटेरियल निकलते हैं उसका प्रॉपर निस्तारण हो। कचरा यूहीं पड़ा नहीं रहना चाहिये।

एक-एक पेड़ पर्यावरण रक्षा के लिए जरूरी

ऋत्विक राय
डीपीएस छात्र

मैं ऋत्विक राय डीपीएस में पढ़ता हूँ। आज ग्लोबल वार्मिंग इतनी बढ़ गयी है। सुबह-सुबह टेम्परेचर बढ़ा रहता है। दिनों में तापमान 50 डिग्री तक पहुंच जाता है। मैं सबसे कहना है कि हम सब मिलकर फिर से बाग- बगीचे को हरा-भरा करें, पेड़ लगायें। नदियों को साफ रखें। सड़कों को गन्दा न करें कूड़ा कचरा न फेंके तो तापमान फिर से नीचे आ सकता है। तब इतनी दिक्कत नहीं होगी। आज गर्मी बढ़ने से एसी, कूलर, की जरूरत पड़ रही है। एसी से निकलने वाली गैस ओजोन लेयर के लिए भी हानिकारक है। एसी की गर्म हवा सड़क पर रह रहे लोगों के लिए हानिकारक है इससे उनकी मौत भी हो जा रही है। अतः, हम सबको और भी संभलकर रहना होगा। अगर हम सभी एक-एक पेड़ लगाए तो एक से असंख्य पेड़ पर्यावरण के लिए लाभकारी होगा। आप भी एक पेड़ अवश्य लगाए यही मेरी गुजारिश है।

हर व्यक्ति एक वृक्ष अवश्य लगाए

मन्नू जैसवानी
दशाश्वमेध व्यापार मंडल

'जनमुख' द्वारा पिछले 44 वर्षो से पर्यावरण जागरूकता का कार्य किया जा रहा है। पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण व पौधों का वितरण के साथ ही जनजागरूकता कार्यक्रम किये जाते हैं। इसके तहत पौधों की जिम्मेदारी दी जाती है व उसके रख-रखाव की जाती है। आज जो तापमान 50 डिग्री सेल्सियस पहुंच रहा है, हीट-वेव चल रही है। ऐसे में जरुरी है कि लोग अपनी जिम्मेदारी निभाएं। और घर के हर सदस्य को एक वृक्ष अवश्य लगाएं। इससे पर्यावरण व वातावरण स्वस्थ बना रहेगा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर
हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ. वैभव पाण्डेय
स्टेला डॉयग्नोस्टिक

विश्व पर्यावरण दिवस पर
हार्दिक शुभकामनाएं
संजीव अग्रवाल
जेवर कोठी

नदी धूप की उबली जाए

नदी धूप की उबली जाए
धू- धू जले पलाश,
हवन कुंड बन गई धरा ये
बादल तरसें प्यास।।

पात-पात दहके अंगारा,
तरुवर झुलसी छाल,
पीले हैं फूलों के मुखड़े
मुरझाई सी डाल,
पोखर में पड़ गईं दरारें
बगुला भया उदास।
नौतपवा तो हाड़ सुखाए
लगा जेठ का मास।।

बित्ता भर की रात बिचारी द
दिन तो हुए पहाड़,
बांध टकटकी दुपहर ताके
कब आवे आषाढ़?
भूरे तिनकों जैसी दिखती
हरी-हरी सब घास।
गगरी फूटी,बैल पियासा
बरखा की बस आस।।

वातावरण घुटन से रोता
शहर ढूंढते छांव
छत,आंगन, फुलवारी दहके
दुबके बैठे गांव
चिडिया चोंच पसारे फिरती
जल ढूंढे आकाश।
पीपल बउरा कहे नीम से
चंदन कहीं तलाश।।

डॉ. एस. बाला

विश्व पर्यावरण दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं
त्रिपाठी न्यूरो केयर
डॉ. विवेक त्रिपाठी
Consultant Neurologist
MBBS, DNB (Medicine) DNB Superspecialist (Neurology)
समय: प्रातः 9:00 बजे से 2:00 बजे तक - सायं: 4:00 बजे से रात्रि 7:00 बजे तक
न्यूरो रोगों से सम्बन्धित उपलब्ध उपचार
• यादाश्त कमजोर होना। • मांसपेशियों की बीमारी। • घबराहट या बेचैनी होना। • स्पोण्डोलाईटिस व साईटिका होना।
• स्ट्रोक (लकवा)। • बार-बार बेहोश होना। • पुराने से पुराना सिर दर्द एवं माईग्रेन (अर्द्धकपारी)।
• गर्दन दर्द, कमर दर्द, हाथ व पैरों में • तरंग नुमा फैलना। • हाथ व पैरों की नसों का दर्द। • नींद में विकार।
• बार-बार चक्कर आना। मिरगी व झाटका आना। • हाथ-पैर व शरीर में कम्पन का होना।
EEG, NCV, EMG की सुविधा उपलब्ध
B/38/83, AZI तुलसीपुर नियर आर. के. मार्बल महमूरगंज, वाराणसी • मो.: 7392879710

With Best Wishes

Dr. R.N.Bajpai

M.D.(Med) F.I.A.M.S.

हृदय, डायविटीज, उदर, श्वास एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ

क्लीनिक- कार्डियो रेस्पिरेटरी केयर सेन्टर, (काशी एजर्जी केन्द्र)

Dr. ARCHANA BAJPAI
B.D.S., M.D.S.
Ex. Resident K.G.M.C.
Consultant Prosthodontist

Dr. SHANTANU BAJPAI
B.D.S., M.D.S.
Ex.Resident R.C.C.
Consultant Maxillofacial Surgeon

सभी प्रकार के दंत रोगों के विशेषज्ञ

13 ब्रह्मानन्द नगर, कबीर नगर, दुर्गाकुण्ड, वाराणसी। मोबाइल: 9161877405